

re-opened; because, some of them cannot be re-opened.

**Shri S. M. Banerjee:** I am not accusing the Government. I want to know the number.

**Mr. Speaker:** How many mills have been closed?

**Shri Kanungo:** I think the number will be something like 27 or so.

**Shri Ramanathan Chettiar:** Is it a fact that nearly one-third of the total number of mills in this country are uneconomic? If so, what steps Government are taking to render financial and other assistance to those mills?

**Shri Kanungo:** It is not correct to say that one-third of the mills are uneconomic. We have got about 480 mills and it cannot be said that one-third of them are uneconomic. Those mills which are uneconomic and which can be rehabilitated, Government are providing them with opportunities for making them economic by giving additional spindles. Also, when any mill is credit-worthy the National Development Corporation finances it with loans.

**Shri Warrior:** The hon. Minister has just now stated that the Sitaram Spinning and Weaving Mills have been re-opened. May I know whether all the sections of the mills have been opened or only the weaving section but not the spinning section?

**Shri Kanungo:** I am not sure about it. Last time my information was that the whole mill was burnt out. Now my report is that it is re-opened. As to which sections are closed yet, I have no information.

#### British Citizenship for Phizo

+

\*780. { **Shrimati Ila Palchoudhuri:**  
**Shri Ram Garib:**

Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Nagaland rebel leader **Shri A. Z. Phizo**

recently applied to the U.K. Government for grant of British citizenship to him;

(b) whether the U.K. Government have made any reference to the Government of India about it; and

(c) if so, what has been Government of India's reaction thereto?

**The Deputy Minister of External Affairs (Shrimati Lakshmi Menon):**

(a) to (c). Our High Commission in London was informed by the U.K. Government that it had become necessary for them to take a decision on **Shri Phizo's** claim that he should be treated as a British subject.

The U.K. authorities discussed this matter with our High Commission officials and decided that on the strength of the evidence furnished by **Shri Phizo**, they were prepared to regard him as having been born in the former British India; after independence **Shri Phizo** had become a citizen of India under the provisions of the Constitution; by virtue of that citizenship, he had the status of a British subject under the British Nationality Act, 1948.

In a meeting between our High Commission officials and the representatives of the U.K. authorities it was accepted that **Phizo** had been given the status of a British subject specifically on the basis of his Indian citizenship and that if he applies for a passport, he would be referred to the Indian authorities.

**Shrimati Ila Palchoudhuri:** Is the citizenship only for one year and after that it will be reviewed again or is it a permanent citizenship?

**Shrimati Lakshmi Menon:** Any person who has domiciled in the United Kingdom for one year has the right to be registered for citizenship.

**Shrimati Ila Palchoudhuri:** When **Shri Phizo** landed in London, was it with an El Salvador passport that he had?

**Shrimati Lakshmi Menon:** He had an El Salvador passport. But he was

allowed to land in the United Kingdom on the basis of evidence of identification furnished by Rev. Michael Scott and Mrs. Ursula Bowers. He did not use the El Salvador passport for that purpose.

**श्री रघुनाथ सिंह :** फिजो को ब्रिटिश सिटिजनशिप का जो अधिकार दिया गया है उसको देखते हुए उनके ऊपर जो केसिस हैं, जो चार्जिज हैं, उनके कारण क्या उन्हें हिन्दुस्तान में लाया जायेगा ?

**प्रधान मंत्री तथा वंदेशिक-कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) :** अभी जो आपने जवाब मुना उसमें यह नहीं कहा गया कि ब्रिटिश सिटिजनशिप का उनको अधिकार दिया गया है। यह कहा गया कि इंडियन सिटिजन वह है, ब्रिटिश कानून से उनका स्टेटस और हैसियत इंडियन सिटिजन की है, लेकिन विलायत में ब्रिटिश सबजैक्ट का का एक स्टेटस दिया जाता है और वह ब्रिटिश सबजैक्ट नहीं हुए लेकिन उनको इसका स्टेटस दिया गया, जैसे कोई हिन्दुस्तानी वहां जाए या कामनवैलथ के और मु.क से भी जाए तो उसको स्टेटस मिलता है। चुनावे वह वहां स्टेटस से रह सकते हैं। लेकिन अगर पासपोर्ट की उनको जरूरत हो, तो वह उनको यहां से गवर्नमेंट आफ इंडिया से मांगना पड़ेगा। ब्रिटिश सिटिजन होने के दूसरे माने हैं जब कि वह पासपोर्ट वहां से ले सकते हैं।

**डा० राम सुभग सिंह :** ब्रिटेन और भारत के बीच इस वक्त जो परस्पर स्नेहपूर्ण वातावरण है उसको देखते हुए और फिजो के भारतीय नागरिक होते हुए, ब्रिटिश सरकार ने जो उनको सुविधायें देने का वचन दिया है, क्या भारत भी यह मुनासिब समझता है कि जब उनके विरुद्ध दोषारोपण हैं, उन दोषारोपणों को ब्रिटिश सरकार को बताया जाए और उससे मांग की जाए कि वह उनको वापिस यहां भेज दे ?

**श्री जवाहरलाल नेहरू :** यह बहुत पेचीदा बात माननीय सदस्य ने कही। इस

वक्त अगर कोई भारतीय नागरिक, इंडियन सिटिजन, इंग्लैंड में हो तो न वे उसको निकाल सकते हैं और न हम उनसे निकलवा सकते हैं। उनको निकलवाने का कोई कानून नहीं है। जैसे वह कामनवैलथ के और लोगों को नहीं निकाल सकते हैं वैसे ही एक भारतीय नागरिक को नहीं निकाल सकते, यह उनका कानून है, जब तक कि कोई खास एक्स्ट्राडिशन ट्रिटी इस बारे में, हमारे और उनके बीच में न हो। वह नहीं है, चुनावे इसमें काफी पेचीदा कानूनी सवाल उठ आते हैं।

**श्री ब्रजराज सिंह :** जानने की बात यह है कि भारत सरकार ने ब्रिटिश सरकार से कोई इस तरह की मांग की है या नहीं कि फिजो को, जिन पर कि हिन्दुस्तान के कानून के मुताबिक कई मुकद्दमे चलने हैं, यहां भेजा जाय। क्या हमारी तरफ से यह मांग गई है ?

**श्री जवाहरलाल नेहरू :** आप यह आम बात पूछ रहे हैं या श्री फिजो के बारे में ?

**श्री ब्रजराज सिंह :** श्री फिजो के बारे में।

**श्री जवाहरलाल नेहरू :** जी नहीं, हमने सोच समझ कर मांग नहीं की है। न मुनासिब समझा और न जरूरत समझी।

**श्री म० ला० द्विवेदी :** क्या प्रधान मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या भारत सरकार ने एक्स्ट्राडिशन ट्रिटी करने के सिलसिले में इस दौरान में इंग्लैंड से कोई वार्तालाप किया है ? यदि हां, तो उसका फल क्या निकला और कब तक यह एक्स्ट्राडिशन ट्रिटी होने की सम्भावना है ? और इस सम्बन्ध में जब कि भारत के कानून के अनुसार श्री फिजो एक दंडनीय व्यक्ति हैं, क्या कारण है कि ब्रिटेन की सरकार उन्हें रक्षण दे रही है ?

**श्री जवाहरलाल नेहरू :** फिर वही दो बातें मिलाई जाती हैं। यह श्री फिजो

के निस्वत सवाल है या आम सवाल है एक्स्ट्राडिशन ट्रिटी का ?

**श्री म० ला० द्विवेदी :** एक्स्ट्राडिशन ट्रिटी के बारे में तो श्री फीजो के सम्बन्ध में पूछा जा रहा है लेकिन यह एक आम सवाल है ।

**श्री जवाहरलाल नेहरू :** जी नहीं, ऐसे नहीं पूछा जा सकता, जब तक कि आम ट्रिटी न हो इसके बारे में । एक आदमी के लिये कानून नहीं बनता है, कानून बनता है फिर उसमें आदमी आता है ।

**श्री म० ला० द्विवेदी :** मेरे पूछने का मतलब यह था कि अगर एक्स्ट्राडिशन ट्रिटी कर ली गई होती तो फीजो को वहां से बुलाया जा सकता था । मैं जानना चाहता हूँ कि १२, १३ सालों में एक्स्ट्राडिशन ट्रिटी के सम्बन्ध में हिन्दुस्तान की सरकार और इंग्लैंड की सरकार के बीच कोई लिखा पढ़ी हुई है या नहीं, और उसका क्या फल हुआ ?

**श्री जवाहरलाल नेहरू :** जी हां, मैं श्री फीजो के अलावा जवाब दे रहा हूँ । इसके बारे में कई दफे बात चीत हुई है । ये सवाल हालांकि एक माने में सादे से मालूम होते हैं, लेकिन पेचीदा होते हैं । खाली वही नहीं बल्कि और मुल्कों के साथ हमारी ट्रिटी नहीं है, और इसके बारे में कुछ उनसे बात-चीत हुई, कुछ हमारे दफतरों में बड़े बड़े नोट लिखे गये हैं, बहुत काफी कागज और स्याही खर्च हुई है इस पर, लेकिन अभी तक जहां तक मुझे याद है यह मामला ज्यादा आगे नहीं बढ़ा है ।

**Shrimati Mañda Ahmed:** Is it a fact that Shri Phizo, with the help of some Britishers, has started some sort of a campaign against India and a pamphlet entitled "The Fate of Naga People—An appeal to the World" is being distributed freely? If so, what action is being taken against such evil propaganda?

**Shri Jawaharlal Nehru:** Right at the very beginning when Shri Phizo

went there we drew the attention of the UK Government to his activities there. They replied that if he keeps within the law of the United Kingdom, they can take no action against him, because in this matter of people carrying on publicity, agitations and propoganda they give a certain latitude to people. They said, "If he offends against our law, we will take action; otherwise we are unable to take action."

**Shri P. C. Borooah:** Has the Government of India any information about Shri Phizo's carrying on contacts with the hostile Nagas?

**Shri Jawaharlal Nehru:** At the present moment we have no what we may call direct new information but obviously he must have. In the past he has done so through devious methods. Directly it may be difficult but through indirect methods, no doubt, it can be done.

**Some Hon. Members rose—**

**Mr. Speaker:** We are going away from the question of citizenship to that of contacts with the rebels and so on. Next question.

**Shri Hem Barua:** May I ask a supplementary, Sir?

**Mr. Speaker:** I have allowed several supplementaries on this.

**राजा महेन्द्र प्रताप :** मैं कई दफा खड़ा हुआ; मुझे भी इज्जत दी जाये ।

**Mr. Speaker:** नहीं जी । I have passed on to another question.

**कैलाश और मानसरोवर जाने वाले भारतीय तीर्थयात्री**

+

\*७-१. { श्री भक्त वर्शन :  
डा० राम सुभग सिंह :  
श्री ज० ब० सि० बिष्ट :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस वर्ष कितने भारतीयों ने तिब्बत में स्थित कैलाश और मानसरोवर की यात्रा की ;